ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

सबसे सुंदर दो लफ्ज

The meaning of "Om Shanti" is "I am a soul, my original nature is peace"

Swayam ke Swabhaav Sanskar ka Paper

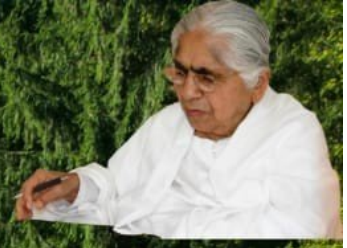

याद और सेवा का सदा बैलेन्स रहता है। जहाँ बैलेन्स है वहाँ स्वयं सदा ब्लिसफुल अर्थात् आनन्द स्वरूप और अन्य के प्रति सदा ब्लैसिंग अर्थात् कृपा-दृष्टि सहज ही रहती है। इसके ऊपर कृपा करूँ, यह सोचने की भी आवश्यकता नहीं। हो ही कृपालु। सदा का काम ही कृपा करना है। ऐसे अनादि संस्कार स्वरूप हुए हैं! जो विशेष संस्कार होता है वह स्वत: ही कार्य करते रहते हैं। सोच के नहीं करते लेकिन हो ही जाता है। बार-बार यही कहते हो - मेरे संस्कार ऐसे हैं, इसलिए हो ही गया। मेरा भाव नहीं था, मेरा लक्ष्य नहीं था लेकिन हो गया। क्यों ? संस्कार हैं। कहते हो ना-ऐसे? कई कहते हैं - हमने क्रोध नहीं किया लेकिन मेरे बोलने के संस्कार ही ऐसे हैं। इससे क्या सिद्ध हुआ? अल्पकाल के संस्कार भी स्वत: ही बोल और कर्म कराते रहते हैं। तो सोचो-अनादि,आरिजनल संस्कार आप श्रेष्ठ आत्माओं के कौन से हैं? सदा सम्पन्न और सफलतामूर्त्त। सदा वरदानी और महादानी- तो यह संस्कार स्मृति में रहने से स्वत: ही सर्व के प्रति कृपा-दृष्टि रहती ही है। अल्पकाल के संस्कारों को अनादि संस्कारों से परिवर्तन करो। तो भिन्न-भिन्न प्रकार के विघ्न, अनादि संस्कार इमर्ज होने से सहज समाप्त हो जायेंगे। बापदादा को अब तक भी बच्चों की स्व-परिवर्तन वा विश्व-परिवर्तन की सेवा में मेहनत देख सहन नहीं होता। खुदाई खिदमतगार और मेहनत! जब नाम से काम निकाल रहे हैं, तो आप तो अधिकारी हो। आप लोगों की मेहनत कैसे हो सकती है? फिर छोटी सी गलती करते हो-कौन सी? गलती करते हो-कौन सी? गलती करते हो, जानते हो? जानते भी अच्छी तरह से हो फिर क्यों करते हो? मजबूर बन जाते हो। सिर्फ छोटी सी गलती -"मेरा संस्कार,मेरा स्वभाव", अनादि काल के बजाए मध्यकाल के समझ लेते हो। मध्यकाल के संस्कार, स्वभाव को मेरा संस्कार, मेरा स्वभाव समझना यही गलती है। यह रावण का स्वभाव है, आप का नहीं है। पराई चीज़ को अपना मानना, यही गलती करते हो। मेरा कहने और समझने से मेरे में स्वत: ही झुकाव हो जाता है। इसलिए छोड़ने चाहते भी छोड़ नहीं सकते । समझा - गलती क्या है?--01-11-1981

Achanak Aur Eveready

श्रेष्ठ प्रेरणा

समय के हर सेकेण्ड को भरपूर जिएं... क्योंकि यह वो पल है जो दोबारा लौट कर नहीं आएगा...।

Download App - Learn Rajyoga Meditation

“ किसी ने गलती की, हमने शिक्षा दी,
वह शिक्षा को स्वीकार नहीं करते।

शिक्षा देने की विधि है -
पहले क्षमा करना, फिर शिक्षा देना।

क्षमा - उनकी गलती अपने चित्त पर नहीं,
Pure Vibrations के साथ शिक्षा देंगे,
सच्चा प्यार, पत्थर को भी पानी कर देता है।

शिक्षा देकर क्षमा नहीं करना
क्षमा करके फिर शिक्षा देना ”

BKShivani

When we take
responsibility
of what we feel,
it is called as
"Self Empowerment".

BRAHMA KUMARIS

facebook.com/brahmakumaris | youtube.com/brahmakumaris

YOU ARE A FORTUNATE SOUL WHO HAS SUCH A GREAT RELATIONSHIP WITH YOURSELF THAT YOU DON'T HAVE TO SEEK A SOURCE OF HAPPINESS OUTSIDE.

BRAHMA KUMARIS
SpARC Wing

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org